गन्ना उद्योग विभाग की गतिविधियाँ–

1. माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी द्वारा गोपालगंज के सिधवलिया प्रखण्ड में दिनांक–01.05.13 को GPS के माध्यम से गन्ना सर्वेक्षण का उद्घाटन –

विगत पेराई सत्रों में यह देखाा गया है कि समय पर गन्ना आपूर्ति हेतु अधियचना पत्र (Requisition Slip) प्राप्त नहीं होने के कारण किसानों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इस हेतु मिलों में धरना एवं प्रदर्शन की घटनायें भी प्रकाश में आयी हैं। मिलों द्वारा अधियाचना पत्रों का निर्गमन किये गये ईख सर्वेक्षण के आधार पर किया जाता है। अबतक जो सर्वेक्षण होते आये हैं वह manual होता है। उसमें काफी त्रुटियाँ देखने को मिली हैं। समीक्षा के क्रम में यह पायां गया है कि सर्वेक्षण में दर्शाये गये रकवे के आधार पर ऑकलित उत्पादन एवं मिलों द्वारा पेरी गई गन्ने के आकड़ों में काफी mismatch है। उपरोक्त आलोक में विभाग द्वारा यह आवश्यक समझा गया कि गन्ने के सर्वेक्षण के कार्य को शुद्ध रूप में सम्पन्न करवाया जाए जिसका गुगुल अर्थ (Google Earth) मैप द्वारा किये गये सर्वे से match करवाया जा सके एवं इस निमित्त किये जाने वाले कार्यो एवं अपनायी जाने वाली प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए एक **नये सर्वेक्षण नीति** की संरचना की गई है।

नये सर्वेक्षण नीति अन्तर्गत सर्वेक्षण के कार्य में वर्तमान में उपलब्ध आधुनिक यंत्रों का उपयोग करने का प्रावधान किया गया है एवं इस निमित्त जी॰पी॰एस॰ के माध्यम से सर्वेक्षण करवाने का निर्णय लिया गया है। सर्वे की शुद्धता के निमित्त सर्वेक्षण के पूर्व गन्ना कृषकों से उनके भूमि एवं आच्छादित गन्ना क्षेत्र के संबंध में घोषणा पत्र प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। किये गये सर्वेक्षण के डाटा को तुरन्त मिलों में संकलित करने हेतु software develop कर लागू कराने का

निर्णय लिया गया है तथा मिलों को web-portal के माध्यम से विभाग को जोड़ने का भी निर्णय लिया गया है। नये सर्वेक्षण नीति में किये जाने वाले सर्वेक्षण की सूचना किसानों को पूर्व में उपलब्ध करवाने की व्यवस्था के साथ उसके प्रदर्शन एवं उस आधार पर कलेण्डरिंग का निर्माण एवं प्रकाशन की भी व्यवस्था की गई है।

उपरोक्त के साथ किसानों के लाभार्थ एक गन्ना सर्वेक्षण सूचना प्रणाली विकसित करने का भी निर्णय लिया गया है जिसके माध्यम से गन्ना कृषकों को गन्ने के आपूर्ति एवं उनके ईख के मूल्य के भुगतान की अद्यतन स्थिति, ईख विकास से संबंधित चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी एवं आवश्यक अन्य सूचनाओं को कृषकों को उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई है। उक्त सूचना प्रणाली का नाम "**बिहार गन्ना प्रबंधन सूचना प्रणाली (BSMIS)**" रखा गया है। इसके साथ ही चीनी मिलों के मिल गेट, मिल के विभिन्न स्थलों पर एवं तौल स्थानों पर IP Camera लगने की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है तथा उसे विभाग से जोड़ने की भी कार्रवाई की जा रही है।

इसके अतिरिक्त गत् पेराई सत्र में मिलों द्वारा किये गये गन्ना के तौल में घटतौली की शिकायते भी प्राप्त हुए हैं। इसकी समीक्षा के क्रम में यह पाया गया है कि मिलों द्वारा विशेष रूप से वाह्य क्रय केन्द्रों पर अधिकांशतः पुराने एवं जीर्ण 3 टन के तौल सेतुओं का उपयोग में लाया जाता है जिसमें प्रयुक्त पाट्र्स को आसानी से Temper किया जा सकता है। इस क्रम में यह निर्णय लिया गया है कि आगामी पेराई सत्र में वाह्य क्रय केन्द्रों पर भी चीनी मिलों के माध्यम से न्यूनतम 5 टन के कम्प्यूटराईज तौल सेतुओं के माध्यम से गन्ने एवं तौल का कार्य सम्पन्न करवाया जाय तथा वाह्य क्रय केन्द्रों पर भी कम्प्यूटराईज ईख क्रय से संबंधित रसीद कृषकों को उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है।